मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 145, मुंबई, शनिवार, 24 जुलाई, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

आपके लिए
MM MITHAIWALA
गरमा गरम नाश्ता और
शुद्ध घी की मिठाइयाँ
पार्सल
zomato SWIGGY amazon.in Flipkart
Order on WhatsApp
+91 98208 99501
www.mmmithaiwala.com

महाराष्ट्र में जानलेवा बारिश

रत्नागिरी में बाढ़ का पानी कोविड हॉस्पिटल में घुसा, 8 मरीजों की मौत

संवाददाता / मुंबई। भारी बारिश की वजह से महाराष्ट्र के कोल्हापुर, रायगढ़, रत्नागिरी, पालघर, ठाणे और नागपुर के कुछ हिस्सों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। भारी बारिश के बाद शुक्रवार को हुए हादसों में अब तक 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। रत्नागिरी जिले के चिपलून में अपरांत हॉस्पिटल में बाढ़ का पानी घुसने से यहां की पावर सप्लाई ठप हो गई। इससे 8 मरीजों की मौत हो गई। यह एक कोविड हॉस्पिटल है और मरने वाले सभी लोग ऑक्सीजन सपोर्ट पर थे। उधर, रायगढ़ के तलई गांव में पहाड़ का मलबा रिहायशी इलाके पर गिर पड़ा। इसके नीचे 35 घर दब गए। (शेष पृष्ठ 3 पर)

रायगढ़ और सतारा में लैंडस्लाइड से 50 से ज्यादा की गई जान

पीएम ने दी मृतकों को आर्थिक मदद: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र में लैंडस्लाइड की वजह से मरने वाले लोगों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की आर्थिक मदद देने का ऐलान किया है। जबकि घायलों को 50 हजार रुपये की सहायता राशि दी जाएगी।

सीएम ने लिया बाढ़ का जायजा: मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने भी महाराष्ट्र में बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया है। उन्होंने बताया कि महाड और चिपलुन में राहत एवं बचाव कार्य शुरू है। किसी की मौत ना हो, इस बात की हम कामना करते हैं। सुबह से ही आर्मी, नेवी और कोस्टगार्ड सभी लोग रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे हुए हैं। सभी बाढ़ पीड़ितों को सुरक्षित जगहों पर ले जाया जा रहा है। मेडिकल किट से लेकर पानी और खाना भी पहुंचाने का काम शुरू है।

वकोला में धड़ल्ले से चल रहा है
कोकण सागर RESTAURANT & BAR

कोरोनागाईड लाईन की खुलेआम उड़ा रहा है धज्जियां

कोकण सागर बार को ना तो कोरोना का डर है और ना ही मुंबई पुलिस का

दैनिक मुंबई हलचल की टीम को वाकोला पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक ने दिया आश्वासन, जल्द चलेगा कोकण सागर रेस्टोरेंट व बार पर पुलिस का डंडा

मुंबई। मुंबई सांताक्रुज पूर्व वाकोला में पूरी रात कानून की धज्जियां उड़ाते हुए चल रहा है कोकण सागर रेस्टोरेंट्स व बार। वाकोला पुलिस स्टेशन से तकरीबन 200 मीटर की दूरी पर कोकण सागर बार आता है। जिसमें पूरी रात शराब व खाना परोसा जा रहा है, बार मैं बैठे हुए लोग सोशल डिस्टेंस की पूरी तरह से धज्जियां उड़ाते हुए दिखते हैं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

जंतर-मंतर पर किसान

तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ पिछले करीब आठ महीनों से जारी किसानों का संघर्ष जंतर-मंतर पर पहुंच गया है। अभी संसद का मानसून सत्र चल रहा है, ऐसे में देश की सर्वोच्च पंचायत से थोड़ी दूरी पर किसान संसद के आयोजन का उद्देश्य स्पष्ट है। सरकार पर दबाव बनाने के साथ-साथ किसान प्रतिनिधि देश को यह संदेश देना चाहते हैं कि वे लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांग रख रहे हैं। कहीं न कहीं यह उस छवि का परिमार्जन भी है, जो लाल किले कांड से इस आंदोलन की कभी बनी थी। किसान नेताओं का कहना है कि जब तक संसद चलेगी, उतने दिन वे सुबह 11 से शाम 5 बजे तक जंतर-मंतर पर अपनी पंचायत का आयोजन करेंगे। अच्छी बात यह है कि किसी टकराव से बचते हुए दिल्ली पुलिस ने भी किसानों को सीमित संख्या में अपना कार्यक्रम करने की इजाजत दे दी और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम भी किए हैं। किसी भी लोकतांत्रिक देश में शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन के नागरिक अधिकार की गारंटी वह बुनियादी कसौटी है, जिस पर उस देश की सांविधानिक-नागरिक संस्थाओं की ही नहीं, पूरी दुनिया की नजर होती है। इस कसौटी पर भारतीय लोकतंत्र खरा उतरा है। पर बड़ा सवाल यह है कि सरकार और आंदोलनकारी किसान संगठनों के बीच कायम गतिरोध आखिर कब टूटेगा? दोनों पक्षों में संवादहीनता की स्थिति महीनों से बनी हुई है। हालांकि, कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कल कहा कि 'किसानों को कृषि कानूनों के जिस भी प्रावधान में आपत्ति है, वे हमें बताएं। सरकार आज भी खुले मन से किसानों के साथ चर्चा करने के लिए तैयार है।' निस्संदेह, बातचीत से ही समाधान निकलता है, और कृषि मंत्री ने अपने तईं एक मुनासिब रुख दिखाया, लेकिन मंत्रिमंडल में उनकी ही एक सहयोगी ने कल ही किसानों के लिए जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया, वह बातचीत की राह में रुकावट डालने वाली थी। देश आज कितनी गंभीर चुनौतियों के मुहाने पर है, इसका एहसास सड़क पर बैठे किसानों से अधिक सरकार में बैठे लोगों को होगा। होना चाहिए। महामारी के इस मुश्किल वक्त में देश की अर्थव्यवस्था को सहारा देने में कृषि क्षेत्र की भूमिका किसी से छिपी नहीं है। फिर मौजूदा राजनीतिक हालात में किसानों से टकराव सत्तारूढ़ गठबंधन के हित में भी नहीं। चंद महीनों बाद ही, मजबूत किसान राजनीति वाले उत्तर प्रदेश, पंजाब व उत्तराखंड जैसे सूबे के लोग नई विधानसभा चुनने के लिए कतार में खडे. होंगे। ऐसे में, सत्ताधारी लोगों को विशेष संयम बरतनी पड़ेगी। किसान संगठन बखूबी जानते हैं कि इन चुनावों के बाद सरकार पर दबाव बनाना आसान नहीं होगा, इसलिए उन्होंने सितंबर महीने से चुनावी प्रदेशों में कार्यक्रमों की घोषणा कर अपना मनसूबा साफ कर दिया है। बहरहाल, दोनों पक्षों को व्यावहारिक रुख अपनाते हुए इस गतिरोध को तोड़ना चाहिए। किसानों को भी यह समझना होगा कि कोई आंदोलन अनवरत नहीं चल सकता। अब तक गैर-राजनीतिक प्रकृति के कारण आंदोलन के प्रति जो आम जन-धारणा रही है, वह अगले चुनावों में उसकी किसी सियासी पक्षधरता से खंडित होगी। इसलिए उसके उद्देश्य की शुचिता भी इसी में है कि किसान बातचीत के जरिये अपने हितों की गारंटी सरकार से हासिल करें। देश का हित न किसानों से अलग है और न किसानों का हित देशहित से परे जा सकता है।

अमेरिका की एक और ऐतिहासिक भूल !

अमेरिका एक बार फिर ऐतिहासिक भूल कर रहा है या ऐसे कह सकते हैं कि वह कूटनीति और सामरिक नीति में अपनी ऐतिहासिक भूलों को दोहरा रहा है। अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों का जल्दबाजी में वापस लौटना और लौटने से पहले दुनिया भर में आतंकवाद फैलाने वाली नर्सरी यानी तालिबान से वार्ता करके उसे वैधता देना ऐसी गलती है, जिसका खामियाजा अमेरिका या दक्षिण एशिया के देशों को ही नहीं भुगतना होगा, बल्कि सारी दुनिया भुगतेगी। इससे पहले अमेरिका ने वैश्विक सामरिक नीति और कूटनीति में जो गलतियां की हैं, उनका खामियाज एक-दो देशों को भुगतना पड़ा है। जैसे वियतनाम से अमेरिका के लौटने पर वहां के निरकुंश शासन की बर्बरता का शिकार होकर कोई 80 हजार लोग मारे गए थे या कंबोडिया में चीन समर्थक खमेर रूज को सत्ता सौंपने से वहां के स्थानीय लोगों को बर्बरता और क्रूरता का शिकार होना पड़ा था। लेकिन अफगानिस्तान छोड़ने और तालिबान को वैधता दिलाने का खामियाजा पूरी दुनिया भुगतेगी। अमेरिका खुद इससे अछूता नहीं रहेगा।

यह सही है कि अमेरिकी फौजें हमेशा के लिए अफगानिस्तान में रहने नहीं आई थीं। लेकिन यह भी सही है कि अमेरिका ने 20 साल पहले तालिबान के शासन वाले अफगानिस्तान पर हमला किया था तो उसका मकसद तालिबान को खत्म करना था। उसके लिए कोई समय सीमा तय नहीं की गई थी लेकिन यह अमेरिका का संकल्प था कि उसे तालिबान को खत्म करना है। फिर वह तालिबान को खत्म करने की बजाय उसे बातचीत के जरिए वैधता दिला कर और अफगानिस्तान की सत्ता में हिस्सेदारी दिलाने का प्रयास करके क्यों वापस लौट रहा है? क्या अमेरिका को अभी यह नहीं दिख रहा है कि तालिबान के लड़ाके किस मंशा से काबुल पर काबिज होना चाहते हैं? अमेरिका का आखिरी सैनिक अभी अफगानिस्तान से नहीं लौटा है लेकिन यह हकीकत है कि उसने लड़ाई बंद कर दी है। एक जुलाई को जिस दिन अमेरिकी सेना ने बगराम एयरबेस अफगानिस्तान को सौंपा उसी दिन से उसकी लड़ाई बंद हो गई और उसी दिन से तालिबान फौजों के पूरी ताकत से काबुल

की ओर बढ़ने का सिलसिला भी शुरू हो गया। यह तथ्य है कि तालिबान के लड़ाके अफगानिस्तान के एक चौथाई हिस्से पर कब्जा कर चुके हैं। हालांकि उनका दावा आधे से ज्यादा हिस्से पर कब्जा कर लेने का है। वे काबुल के बाद अफगानिस्तान के दूसरे सबसे बड़े शहर कंधार के काफी करीब पहुंच गए हैं तभी भारत सरकार को कंधार के वाणिज्य दूतावास से अपने राजनयिकों को वापस बुलाना पड़ा। कंधार और मजार ए शरीफ से भारत के राजनयिक और सुरक्षाकर्मी वापस लौट चुके हैं। अगर तालिबान की बढ़त ऐसे ही कायम रही तो इस साल के अंत तक या अगले साल के शुरू में काबुल पर उनका कब्जा होगा। तभी सवाल है कि अगर तालिबान का अफगानिस्तान के शासन पर कब्जा हो जाता है और जैसा कि उन्होंने ऐलान किया है, वे शरीयत कानून लागू कर देते हैं और उनकी आतंकवाद की नर्सरी फलने-फूलने लगती है तो अमेरिका को 20 साल की लड़ाई में क्या हासिल होगा? अमेरिका ने अफगानिस्तान में अपना अभियान तालिबान को खत्म करने के लिए शुरू किया था और अब तालिबान को ज्यादा मजबूत बना कर उसकी फौजें लौट रही हैं। यह अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन की बहुत बड़ी गलती साबित होगी। यह राष्ट्रपति बाइडेन की गलती इसलिए है क्योंकि अमेरिका के ज्यादातर सैन्य जनरल इस समय अफगानिस्तान से वापसी के पक्ष में नहीं थे। उन सबकी राय को और यहां तक कि आंकड़ों को भी दरकिनार कर बाइडेन ने यह फैसला किया है। वे बार बार सवाल उठा रहे हैं कि कब तक अमेरिकी जानों को जोखिम में डाला जाएगा। लेकिन हकीकत यह है कि अमेरिकी जान का जोखिम अब लगभग खत्म हो गया है। पिछले साढ़े सात में सिर्फ 99 अमेरिकी सैनिक अफगानिस्तान में मरे हैं, जबकि पिछले डेढ़ साल में किसी की जान नहीं गई है। अफगानिस्तान में 20 साल के अभियान में अमेरिका ने अपने करीब ढाई हजार जवान गंवाएं हैं, जबकि अफगानिस्तान के 28 हजार से ज्यादा सैनिक तालिबान से लड़ते हुए मारे गए हैं। बाइडेन ने फैसला करने से पहले वियतनाम की लड़ाई के आंकड़े भी नहीं देखे। वियतनाम में अमेरिका इससे कम समय तक लड़ा था लेकिन वहां 58 हजार से ज्यादा अमेरिकी सैनिक मारे गए थे।

बाइडेन प्रशासन ने न सिर्फ इन तथ्यों की अनदेखी की है, बल्कि भविष्य के खतरे का आकलन करने में भी विफल रहा है। अमेरिका को तालिबान का इतिहास पता है और तालिबान लड़ाकों ने अपनी मंशा का स्पष्ट संकेत भी दे दिया है। वे दूर-दराज के इलाकों में स्थानीय लड़ाकों को इकट्ठा कर रहे हैं और अफगान फौजों पर हमला कर रहे हैं। उनके हथियार छीन रहे हैं और हथियार लहराते हुए काबुल की ओर बढ़ रहे हैं। वे ताकत के दम पर काबुल पर कब्जा करना चाहते हैं। यह अपने आप में इस बात का सबूत है कि दुनिया की सबसे बड़ी सैन्य ताकत दुनिया के सबसे बड़े आतंकवादी संगठन से हार कर वापस लौट रही है। इससे तालिबान के साथ साथ दुनिया के दूसरे आतंकवादी संगठनों का भी हौसला बढ़ेगा। एक तरह से अमेरिका पूरी दुनिया को असुरक्षित बना कर अफगानिस्तान से लौट रहा है। राष्ट्रपति बनने के बाद से बाइडेन ने पिछले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कई फैसले पलटे हैं। इसलिए यह कोई बड़ी बात नहीं थी कि वे तालिबान और ट्रंप प्रशासन के बीच पिछले साल फरवरी में हुए समझौते को पलट देते। उन्होंने ऐसा नहीं किया इसका मतलब है कि वे भी इस बात से सहमत थे कि अमेरिकी सैनिकों को अफगानिस्तान से लौटना चाहिए। ट्रंप ऐसे मामलों में मनमाने फैसले करते थे लेकिन बाइडेन से ऐसे फैसले की उम्मीद नहीं थी, जिसमें अफगानिस्तान की मौजूदा स्थिति, उसके भू-राजनीतिक महत्व और सामरिक स्थिति की अनदेखी करके उसे तालिबान के हवाले छोड़ दिया जाए। क्या बाइडेन प्रशासन को इस बात का अंदाजा नहीं है कि तालिबान को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने खड़ा किया है और अब भी रावलपिंडी से तालिबान को भरपूर मदद मिल रही है?

सुरक्षा की ओर

ताजा सीरोलॉजिकल सर्वे के नतीजे देख जहां एक ओर खुशी होती है, वहीं दूसरी ओर, चुनौती भी नजर आती है। देश भर में किए गए सीरो सर्वे में 67.6 प्रतिशत लोग पॉजिटिव पाए गए हैं, अर्थात इतने प्रतिशत लोग कोरोना संक्रमित हो चुके हैं, और उनके शरीर में एंटीबॉडी विकसित हो चुकी है। जून-जुलाई में हुए इस सर्वे से कोरोना के खिलाफ भारतीयों की बढ़ती सुरक्षा का अंदाजा होता है। आश्चर्य नहीं, देश में बड़ी संख्या में लोगों को कोरोना ने संक्रमित किया है और उन्हें इसकी जानकारी भी नहीं मिली है। आधिकारिक रूप से भारत में महज 3.12 करोड़ लोग ही कोरोना संक्रमित हुए हैं। संभव है, इससे चार गुना मामले दर्ज नहीं हो सके हैं। ऐसे में, दर्ज और दर्ज न होने वाले मामले करीब 13 करोड़ के करीब हैं, जबकि सीरो सर्वे के मुताबिक, देश में 75 से 80 करोड़ लोगों तक कोरोना संक्रमण पहुंच चुका है। कोरोना का खतरा भले ही पूरी तरह न टला हो, लेकिन मोटे तौर पर भारत में 80 करोड़ से ज्यादा लोग अपेक्षाकृत सुरक्षित हो गए हैं। अब चिंता उन 40 से 50 करोड़ लोगों की है, जिन तक अभी कोरोना नहीं पहुंचा है। सीरो सर्वे मोटे तौर पर एक अनुमान ही पेश करता है। काश, यह बता पाता कि किन लोगों तक संक्रमण नहीं पहुंचा है। यदि यह पता लग जाए कि कौन अभी भी ज्यादा असुरक्षित है, तो उसे टीकाकरण और अन्य उपायों से सुरक्षित करने पर जोर लगाया जा सकता है। चूंकि वास्तविक स्थिति से हम अनजान हैं, इसलिए उन तमाम लोगों तक हमें जल्द से जल्द टीकों का लाभ पहुंचाना चाहिए, जो अभी तक वंचित हैं। गौरतलब है कि राष्ट्रीय सीरो सर्वे का चौथा चरण जून-जुलाई में 21 राज्यों के 70 जिलों में आयोजित किया गया था। इसमें 6-17 वर्ष की आयु के बच्चे भी शामिल थे। खास बात यह भी कि सर्वेक्षण में शामिल किए गए स्वास्थ्यकर्मियों में 85 प्रतिशत में कोरोना के खिलाफ एंटीबॉडी पाई गई है, जबकि स्वास्थ्यकर्मियों में 10 प्रतिशत को अब तक टीका नहीं लग पाया है। यह एक ऐसा मोर्चा है, जहां सख्ती से कदम उठाने चाहिए और तमाम स्वास्थ्यकर्मियों को सुरक्षा कवच से सुसज्जित करना चाहिए। यदि हम चिकित्साकर्मियों और तमाम डॉक्टरों को कोरोना से सुरक्षित कर सकें, तो भी यह हमारे लिए बड़ी सफलता होगी और स्वास्थ्य सुविधाओं में व्यापक सुधार आएगा। हमें सावधान रहने की जरूरत है, कोरोना अभी गया नहीं है। कई राज्यों में चिंता कायम है। प्रधानमंत्री भी बार-बार सतर्कता बरतने की सलाह दे रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय को लक्ष्य दिया गया है कि वह किसी तरह से तीसरी लहर को रोके। तीसरी लहर को रोकने में सीरो सर्वे से सहायता मिल सकती है। सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक स्तर पर भीड़ को रोकना जरूरी है। अनावश्यक यात्राओं से बचना और पूरी तरह से टीकाकरण ही सबसे अच्छे उपाय हैं। इधर, स्कूलों को खोलने की जल्दी दिख रही है, तो हमें पूरी तरह से विचार कर लेना चाहिए। एक तरफ, बच्चों में संक्रमण को लेकर चिंता है, दूसरी ओर, स्कूल खोलने की चर्चा विरोधाभास ही है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

साबुन की आड़ में हो रही है शराब की तस्करी

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। गत गुरुवार 22 जुलाई 1:30 बजे के करीब एक ट्रक बाईपास से गुजरते वक्त उस गाड़ी का अचानक ब्रेक लगा पर गाड़ी का संतुलन बिगड़ने से यह भरा हुआ ट्रक पलटी हो जाता है, सूचना मिलते ही घटनास्थल पर ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी पहुंच कर हाइड्रा क्रेन द्वारा ट्रक को उठाने की प्रक्रिया में लग जाते हैं ट्रक में भरा हुआ सामान जब ट्रक से खाली कराया जाता है तो उसी समय ट्रैफिक पुलिस की पी आई दिलीप पाटिल को संदेह होता है और पैकिंग हुए सामान के बॉक्स पर मॉडर्न साबुन का लेबल लगा था, बक्से को खोला गया तो देखा की शराब भरी हुई है और तभी ट्रैफिक पुलिस ने सभी बॉक्स को खोलना शुरू किया तो पाया सभी बॉक्स में अलग अलग ब्रांड की शराब मौजूद है। अनुमान

लगाया जा रहा है कि यह शराब तकरीबन हजारों लीटर है। यह शराब का मामला ट्रैफिक पुलिस के पी आई दिलीप पाटिल की समझदारी से उजागर हुआ है। क्लीनर से पूछताछ के बाद पता चलता है यह शराब गोवा से गुजरात ले जाई जा रही थी। फिलहाल ट्रक ड्राइवर फरार बताया जा रहा है। भरा हुआ ट्रक को मुंब्रा पुलिस के हवाले कर दिया गया। क्लीनर को हिरासत में लिया गया है। अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह शराब लाखों रुपए कीमत की है। फिलहाल मुंब्रा पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि यह शराब की तस्करी करने वाले का मालिक कौन है। शराब का गोरख धंधा का किसके संरक्षण में चल रहा है। ट्रक का मालिक कौन है। इस मामले की ग्रहण छानबीन कर रही है। जांच पूरी हो जाने पर मामला दर्ज किया जाएगा।

मुंबई के बाद ठाणे में भी परमबीर सिंह के खिलाफ एफआईआर, 2 करोड़ की हफ्ता वसूली का आरोप!

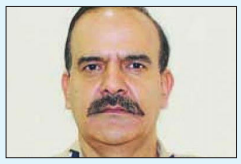

मुंबई। मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। गुरुवार को मुंबई के मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन में सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने की बात सामने आई थी। अब मुंबई से सटे ठाणे शहर में भी सिंह समेत 6 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। परमबीर सिंह पर ठाणे शहर के बिल्डर शरद अग्रवाल ने 2 करोड़ रुपए की फिरौती मांगने का आरोप लगाया है। अग्रवाल की शिकायत के बाद ठाणे पुलिस ने यह मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

'डर्टी फिल्म' रैकेट में नया खुलासा

राज कुंद्रा इंटरनेशनल लेवल पर 121 वीडियो बेचने की तैयारी कर रहे थे, 9 करोड़ में हुई थी डील

मुंबई। 19 जुलाई की रात को राज कुंद्रा को गिरफ्तार किया गया था और शुक्रवार को उनकी कस्टडी बढ़ाकर 27 जुलाई तक कर दी गई है। राज कुंद्रा की गिरफ्तारी के बाद अब मुंबई पुलिस की एक टीम उनकी पत्नी और एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी से पूछताछ के लिए उनके जुहू स्थित बंगले पर पहुंची है। फिलहाल एक्ट्रेस से पूछताछ जारी है। इससे पहले अश्लील फिल्मों के निर्माण के आरोप में गिरफ्तार हुए राज कुंद्रा को 27 जुलाई तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। अदालत में पेशी के दौरान मुंबई पुलिस ने बताया कि हमें उनके व्हाट्सऐप चेट से यह पता चला है कि राज कुंद्रा 121 पोर्न वीडियो को 9 करोड़ रुपए में बेचने वाले थे। यह एक इंटरनेशनल लेवल

की डील थी। इस बीच उनका एक ईमेल भी लीक हुआ है, जिसमें कुंद्रा की 'डर्टी' फिल्म मेकिंग का पूरा नियम-कानून लिखा हुआ है। अश्लील फिल्मों के इस कारोबार के प्रोजेक्ट को 'ख्वाब' नाम दिया गया था। 19 जुलाई को मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने राज कुंद्रा को पूछताछ के लिए बुलाया था। रात 9 बजे वे मुंबई क्राइम ब्रांच के भायकला दफ्तर पहुंचे। करीब 2 घंटे तक पूछताछ चली और इसके बाद रात 11 बजे उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। आज कुंद्रा की पेशी के दौरान मुंबई पुलिस ने कोर्ट से और समय मांगा था। मुंबई पुलिस का कहना है कि यह केस बहुत बड़ा है, यह सिर्फ कुछ पोर्न फिल्मों तक सीमित नहीं है। आरोपी संगठित तरीके से इसे अंजाम दे रहे थे। इस मामले में कुंद्रा समेत 11 लोगों को अरेस्ट किया जा चुका है। अन्य कुछ लोगों की गिरफ्तारी की कोशिश जारी है, जिसमें कुंद्रा का बहनोई भी शामिल है।

कैमरा एंगल से लेकर लाइव स्ट्रीमिंग तक की थी डिटेल

Hotshot के कॉन्टेंट हेड की ओर से 14 अगस्त 2020 की शाम 5 बजकर 25 मिनट पर पारस रांधवा और ज्योति ठाकुर नाम के दो लोगों को एक ईमेल भेजा गया था। इसमें प्रोजेक्ट 'ख्वाब' को लेकर सिलसिलेवार ढंग से जानकारी दी गई थी। शूटिंग कैसे होगी? कैमरा किस एंगल पर रहेगा, एक्ट्रेस का प्रोफाइल कैसा होगा है, लाइव स्ट्रीमिंग करने वाले आर्टिस्ट को कैसे ज्यादा से ज्यादा दिखा सकें, इसकी भी डिटेल थी। ओटीटी प्लेटफॉर्म के सब्सक्राइबर को बढ़ाने के लिए भी इसमें तरीका बताया गया था।

(पृष्ठ 1 का शेष)

वकोला में धड़ल्ले से चल रहा है कोकण सागर रेस्टोरेंट व बार

कोविड-19 में शाम 4:00 बजे के बाद सभी होटल बंद हो जाते हैं सिर्फ पार्सल दिया जाता है, कोकण सागर बार को ना ही कोरोना का डर है और ना ही मुंबई पुलिस का। वाकोला पुलिस के नाक के नीचे रात भर रेस्टोरेंट बार चल रहे हैं और पुलिस को इस बात की थोड़ी भी भनक नहीं। कहीं ना कहीं वाकोला पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल तो उठते हैं। दैनिक मुंबई हलचल की टीम ने वाकोला पुलिस स्टेशन की वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक से बात की वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक ने आश्वासन दिया कि हम कोकण सागर बार व रेस्टोरेंट के ऊपर कार्यवाही करेंगे। दैनिक मुंबई हलचल की टीम ने वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक से अपील की जल्द से जल्द रात भर चलने वाले बार व रेस्टोरेंट्स को बंद कराया जाए।

महाराष्ट्र में जानलेवा बारिश

इस हादसे में 36 लोगों की मौत हो गई है, 70 से ज्यादा लोग लापता हैं। 32 के शव बाहर निकाले गए हैं। सतारा के अंबेघर गांव में भी लैंड स्लाइडिंग हुई है। यहां 8 लोगों की जान गई है। मलबे के नीचे करीब 20 लोग दबे हुए थे। बरसाती नदियों का पानी शहरों, कस्बों और गांवों में घुस गया है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिन के लिए कोंकण, मुंबई और इसके आसपास के जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। ठाणे और पालघर में भारी बारिश के कारण निचले इलाके 24 घंटे से पानी में डूबे हैं। कोंकण डिवीजन में अभी तक बारिश से जुड़ी घटनाओं में 8 लोगों की मौत हो चुकी है। करीब 700 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है। रायगढ़ में 4 जगह लैंडस्लाइड होने से कई लोग फंस गए हैं, 25 लोगों को निकाला गया है और 20 अभी भी फंसे हुए थे। तलाई गांव को कनेक्ट करने वाली सड़क पानी में बह गई है, इस कारण गांव के अंदर लोग फंसे हुए हैं। कोल्हापुर के चिखली में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए एनडीआरएफ की दो टीमें लगातार प्रयास कर रही हैं। रत्नागिरी जिले में जगबुडी नदी खतरे के निशान से 2 मीटर और वशिष्ठ नदी खतरे के निशान से करीब एक मीटर ऊपर बह रही है।

मुंबईः दो मंजिला मकान गिरा, 4 की मौत, 11 लोग जख्मी

मुंबई। एक तरफ जहां महाराष्ट्र के कई जिले बाढ़ की चपेट में है। तो वहीं दूसरी तरफ मायानगरी मुंबई में एक दो मंजिला मकान गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई है जबकि 11 लोग जख्मी हुए हैं। यह इमारत हादसा मुंबई के शिवाजी नगर इलाके के गोवंडी में हुआ है। फायर ब्रिगेड अधिकारियों के मुताबिक यह एक ग्राउंड प्लस वन का मकान था। दमकल विभाग के अधिकारियों के मुताबिक यह घटना सुबह तकरीबन 5 बजे हुई। यह घटना शिवाजी नगर के मुंबई सिटी हॉस्पिटल के पास मौजूद प्लॉट संख्या तीन पर घटी है। दमकल विभाग के मुताबिक इस दुर्घटना में 15 लोग जख्मी हुए थे जिसमें से 7 लोगों को मुंबई के राजावाडी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है और तीन लोगों को सायन अस्पताल में भर्ती किया गया है। इस दुर्घटना में 4 लोग अस्पताल में पहुंचने पर मृत घोषित किए गए। इसके पहले मुंबई के मालवणी इलाके में भी ऐसे ही एक इमारत हादसे में 11 लोगों की मौत हुई थी।

कोरोना काल में देश ने शुरू किया था 'वंदे भारत मिशन'

विदेश मंत्रालय ने राज्यसभा में दी जानकारी

विदेशों में फंसे दुनिया के अलग- अलग कोनों से 61 लाख नागरिकों की कराई स्वदेश वापसी

संवाददाता / नई दिल्ली

कोरोना महामारी की वजह से विदेशों में फंसे नागरिकों को देश वापस लाने के लिए शुरू किए गए 'वंदे भारत मिशन' के तहत सरकार करीब 61 लाख नागरिकों की घर वापसी करा चुकी है।

यह जानकारी विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को राज्यसभा में दी। मंत्रालय ने लिखित जवाब में बताया है कि 30 अप्रैल 2021 तक कुल 60,92,264 भारतीयों को देश वापस लगाया गया है।

अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर था बैन

कोरोना महामारी ने जब चीन के बाहर पैर पसारना शुरू किया तो दुनिया के अधिकतर देशों ने सख्त लॉकडाउन और पाबंदियों की घोषणा की। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर पाबंदियां लगा दी गईं। ऐसे में दुनिया के कई देशों में लाखों भारतीय फंस गए। सरकार ने इन्हें वापस लाने के लिए 'वंदे भारत मिशन' की शुरुआत की थी और दुनिया के अलग-अलग कोनों से विशेष विमानों के जरिए लोगों को वापस लाया गया था। हालांकि, यात्रियों को इसका किराया वहन करना पड़ा था।

उधर, विदेशों में 3570 भारतीयों की मौत

विदेश मंत्रालय ने यह भी बताया है कि कोरोना संक्रमण की वजह से 35 सौ से अधिक भारतीय नागरिकों की विदेशों में मौत हो गई। मंत्रालय ने कहा है कि विदेशों में स्थित मिशनों और पोस्ट्स के जरिए दी गई जानकारी के अनुसार विदेशों में 3570 भारतीयों की मौत कोरोना की वजह से हुई है।

3,327 किमी राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया : गडकरी

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने संसद को सूचित किया कि 2020-21 में 13,327 किमी राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया है, जो प्रति दिन लगभग 37 किमी बैठता है। लोकसभा में गडकरी ने कहा कि महामारी को देखते हुए मंत्रालय ने आत्मनिर्भर भारत के तहत पहल की और ठेकेदारों, रियायतकर्ताओं और सलाहकारों को कई राहत उपाय प्रदान किए, जिसमें 3-9 माह का विस्तार भी शामिल है।

हाईकोर्ट पहुंची महिला बोली मैंने अपनी मर्जी से कबूला इस्लाम

अब यूपी पुलिस, मीडिया और धार्मिक संगठन पड़े हैं पीछे

जनज्वार। इन दिनों धर्मांतरण मीडिया के लिए सबसे हॉट टॉपिक है। इसकी आड़ में मीडिया जहां टीआरपी का खेल खेल रहा है, वहीं राजनीति भी जमकर हो रही है। इतना ही नहीं धार्मिक संगठनों को भी बहाना मिल गया है सांप्रदायिकता फैलाने का। इसी माहौल में अपनी मर्जी से इस्लाम धर्म अपनाने वाली एक महिला ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए अपनी और अपने परिवार की जान की भीख मांगी है। रेनू गंगवार उर्फ आयशा अल्वी नाम की इस महिला ने आरोप लगाया है कि जबसे उसने स्वेच्छा से इस्लाम धर्म अपनाया है, तब से लगातार उन्हें जान से मारने की धमकी मिल रही है। उत्तर प्रदेश पुलिस, मीडिया तथा धार्मिक समूहों पर उसने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि ये समूह धर्मांतरण के बाद से उसके पीछे पड़े हैं। एक खबर के मुताबिक उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले की रहने वाली और दिल्ली में काम करने वाली रेनू गंगवार उर्फ आयशा अल्वी ने और अपने परिवार के लिए सुरक्षा के साथ-साथ निजता के अधिकार की भी मांग हाईकोर्ट के सामने रखी है। इस्लाम अपनाने वाली रेनू गंगवार उर्फ आयशा अल्वी ने अपनी याचिका में कोर्ट से गुजारिश की है कि धर्म परिवर्तन के कारण उसे और उसके परिवार को जमकर निशाना बनाया जा रहा है। मीडिया जहां उनके बारे में दुर्भावनापूर्ण सामग्री छाप रहा है, वहीं तरह तरह से जान

से मारने की धमकी भी दी जा रही ठै। अपनी याचिका में महिला ने कहा है कि वह वयस्क है और संविधान उसे अपना धर्म चुनने का अधिकार देता है। वह जिस धर्म को मानने का, चुनने का निर्णय लेती है उसके लिए उन्हें प्रताड़ित नहीं किया जा सकता, उसे किसी भी तरह से निशाना नहीं बनाया जा सकता। महिला की ओर से पेश हुए वकील कमलेश कुमार मिश्रा का कहना है कि महिला की याचिका पर बुधवार 30 जून को सुनवाई हो सकती है। याचिका के अनुसार, रेणु गंगवार उर्फ आयशा अल्वी ने 27 मई को दिल्ली में इस्लाम धर्म अपना लिया था और 23 जून से, जब वह शाहजहांपुर में थी, तभी से उसके पास मीडियाकर्मियों के फोन आने लगे, जिसमें उससे मिलने का अनुरोध किया गया, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। रेनू गंगवार उर्फ आयशा अल्वी के मुताबिक उसकी इजाजत के बगैर मीडियाकर्मी उसके घर पर आ धमके और उसकी तस्वीरें, वीडियो लेने लगे। इस घटना के बाद उसे धमकी भरे फोन भी आने लगे कि धर्म परिवर्तन की खबर मीडिया में आने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा तथा फोन पर उससे पैसे भी मांगे गए। महिला का आरोप है कि इसके बाद डरा धमकाकर जबर्दस्ती उससे 20,000 रुपये ले लिए, जबकि कुछ और लोगों ने भी उससे तथा उसके परिवार से पैसे उगाहने की कोशिश की। महिला का आरोप है कि उसके धर्म परिवर्तन के बारे में मीडिया में अनर्गल तथा काल्पनिक जानकारियां दी जा रही हैं। गौरतलब है कि 24 जून को पीड़िता दिल्ली पुलिस कमिश्नर से भी इसकी शिकायत कर चुकी थी और उसने खुद के लिए सुरक्षा की मांग की थी।

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर को मुस्लिम समाज की सौगात

ज्ञानवापी मस्जिद की दी जमीन

संवाददाता

वाराणसी। काशी विश्वनाथ कॉरिडोरः काशी में जहां एक तरफ विश्वनाथ मंदिर से सटी ज्ञानवापी मस्जिद की जमीन को लेकर कोर्ट में केस चल रहा है। वहीं दूसरी तरफ काशी विश्वनाश मंदिर और ज्ञानवापी मस्जिद विवाद के बीच एक बड़ी पहल हुई है। मस्जिद की तरफ से मंदिर के लिए मस्जिद से सटी करीब एक हजार स्क्वायर फीट जमीन मुस्लिम समाज ने दी है। जानकारी के अनुसार, इस जमीन पर अभी मंदिर प्रशासन का कंट्रोल रूम था। कोर्ट के बाहर आपसी सहमति के आधार पर हुए इस समझौते में इतनी ही जमीन मंदिर प्रशासन ने भी मुस्लिम समाज को दी है। पीएम मोदी द्वारा काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की आधारशीला रखे जाने के बाद से तेज गति से बन रहे काशी विश्वनाथ कॉरिडोर में जमीन की जरूरत जरूरत सामने आई। जिसके बाद मुस्लिम समाज ने

पहल करते हुए वक्फ की जमीन विश्वनाथ कॉरिडोर को देने पर सहमति जता दी। सहमति के बाद मंदिर की तरफ से बने प्रस्ताव को विशिष्ट क्षेत्र विकास परिषद में रखा गया। वहां से अनुमति मिलते ही जमीन एक-दूसरे की हो जाएगी।

कोर्ट में चल रहा जमीन विवाद

हिंदू पक्ष का कहना है कि काशी विश्वनाथ मंदिर को औरंगजेब ने 1664 में तहस नहस कर दिया था। फिर इसके अवशेषों से मंदिर की जमीन के एक हिस्से पर मस्जिद बनवाई जिसे ज्ञानवापसी मस्जिद के रूप में जाना जाता है। अपील में कहा गया कि ज्ञानवापी परिसर के उक्त जमीन पर मंदिर का अवशेष है। 14वीं शताब्दी के मंदिर में प्रथमतल में ढांचा और भूतल में तहखाना है। इसमें 100 फुट गहरा शिवलिंग है। मंदिर हजारों वर्ष पहले 2050 विक्रमी संवत में राजा विक्रमादित्य ने, फिर सतयुग में राजा हरिश्चंद्र और 1780 में अहिल्यावाई होलकर ने जीर्णोद्धार कराया। इसी को ध्यान में रखते हुए ज्ञानवापी में नए मंदिर के निर्माण और हिंदुओं को पूजा पाठ करने का अधिकार देने आदि को लेकर 1991 में मुकदमा दायर किया गया था। काशी की अदालत ने विश्वनाथ मंदिर से सटी ज्ञानवापी मस्जिद के मामले में पुरातात्विक सर्वेक्षण को आदेश दिया है। कोर्ट ने इसके लिए पांच सदस्यीय कमेटी गठित करने का भी निर्देश दिया है।

पेगासस जासूसी केस: राहुल गांधी ने कहा- मेरा फोन टैप हुआ, सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की जाए, गृह मंत्री का मांगा इस्तीफा

संवाददाता

नई दिल्ली। इजराइली स्पायवेयर पेगासस के जरिए जासूसी का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस मामले पर शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर जोरदार हमला करते हुए गृहमंत्री अमित शाह का इस्तीफा मांगा है। राहुल ने कहा कि मेरा फोन टैप किया गया। ये मेरी प्राइवेसी का मामला नहीं है। मैं जनता की आवाज उठाता हूं। नरेंद्र मोदी ने इस हथियार को हमारे देश के खिलाफ इस्तेमाल किया है। गृह मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए। पीएम और गृह मंत्रालय के अलावा इसका ऑथराइजेशन कोई कर नहीं सकता है। गृहमंत्री और प्रधानमंत्री के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में न्यायिक जांच की जानी चाहिए। कांग्रेस नेता

ने कहा कि पेगासस को इजराइली सरकार ने हथियार के तौर पर क्लासीफाई किया है। हमारे पीएम और गृह मंत्री ने लोकतंत्र के खिलाफ इसे इस्तेमाल किया। यह जनता की आवाज पर आक्रमण है। उन्होंने कहा कि सवाल यह नहीं है कि अनिल अंबानी का फोन टैप हुआ। सवाल यह है कि जब सीबीआई एफआईआर करने वाली थी, उसके ठीक पहले सीबीआई निदेशक का फोन टैप करके उन्हें ब्लैकमेल किया गया। राहुल ने कहा, 'इंटेलिजेंस के कई अधिकारी मुझसे कह चुके हैं कि सर आपका फोन टैप किया जा रहा है। मेरे दोस्तों को फोन करके कहा जाता है कि आप राहुल गांधी से कह दीजिए कि उन्होंने फोन पर ये बात कही थी, लेकिन मैं डरता नहीं हूं और इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता।' राहुल ने कहा कि पेगासस जासूसी का सॉफ्टवेयर है। भारत में पेगासेस हथियार में कैटेगराइज किया गया है। सुप्रीम कोर्ट और राफेल की जांच को रोकने के लिए पेगासस का प्रयोग किया गया।

पूर्व पीएम बोले- देश की इकोनॉमी के लिए 1991 से भी मुश्किल वक्त आ रहा, ये खुश होने का नहीं, विचार करने का समय

नई दिल्ली। देश में आर्थिक उदारीकरण की बुनियाद रखने वाले पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने अर्थव्यवस्था को लेकर सतर्क किया है। पूर्व प्रधानमंत्री ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि देश की अर्थव्यवस्था का जैसा बुरा हाल 1991 में था, कुछ वैसी ही स्थिति आने वाले समय में होने वाली है। सरकार इसके लिए तैयार रहे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह खुश या मगन होने का नहीं, बल्कि आत्ममंथन और विचार करने का वक्त है। आगे का रास्ता 1991 के संकट की तुलना में ज्यादा चुनौतीपूर्ण है। एक राष्ट्र के तौर पर हमारी प्राथमिकताओं को फिर से तय करने की जरूरत है, ताकि हर भारतीय के लिए स्वस्थ और गरिमामयी जीवन सुनिश्चित हो सके। 2004 से 2014 तक देश के प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह 1991 में नरसिम्हा राव की अगुवाई में बनी सरकार में वित्त मंत्री थे और 24 जुलाई 1991 को अपना पहला बजट पेश किया था। इस बजट को देश में आर्थिक उदारीकरण की बुनियाद माना जाता है। इस ऐतिहासिक बजट के 30 साल पूरा होने के मौके पर शुक्रवार को मनमोहन सिंह ने कई मुद्दों पर अपने विचार रखें। 30 साल पहले कांग्रेस पार्टी ने भारत की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण सुधारों की शुरूआत की थी। यह देश की आर्थिक नीति के लिए एक नया रास्ता तैयार किया था।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

राजस्थान हलचल

पानी की सप्लाई को देखने के लिए खुद अतिः मुख्य अभियंता चढ़ी टंकी पर

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। मुरलीधर व्यास नगर में नव निर्मित उच्च जलाशय के शुरू नही होने पानी की आपूर्ति सुचारू नही होने की मिल रही शिकायतों व नगर वासियो में व्याप्त रोष के मध्य शुक्रवार को अजय शर्मा अतिरिक्त मुख्य अभियंता, जन स्वास्थ्य अभि विभाग द्वार उच्च जलाशय व साइट का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उनके साथ गिरधारी लाल, नफीस खान अधिशाषी अभियंता व सहायक अभियन्ता योगिता रंगा व सहायक प्रभारी कंट्रोल रूम योगेश बिस्सा भी

उपस्थित थें। इस दौरान अजय शर्मा द्वारा अधिशाषी अभियंता को इस जलाशय का बाकी बचा सम्पूर्ण कार्य पूर्ण करने व जो भी कमी रही है उसे 7 दिवस में दूर करके सम्पूर्ण कार्य सम्पन्न कराने व आम जन को लाभान्वित करने हेतू निर्देशित किया गया। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य आभियन्ता खुद टँकी के टॉप पर चढ़ गये व सम्पूर्ण उच्च जलाशय का निरीक्षन किया। इस दौरान उनके साथ मुरलीधर व्यास नगर विकास समिति के अध्यक्ष श्री गिरिराज जोशी, व पवन राठी, पपु जी सुथार, विनोद सोनी व अन्य भी मौजूद थे।

कौशांबी के बेरहम चौकी इंचार्ज पुलिस बनी हैवान मामूली विवाद में दलित युवक पर किया थर्ड डिग्री का इस्तेमाल

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

कौशांबी। संकीर्ण मानसिकता से प्रेरित प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा द्वाबा की धरती पर अवैध वसूली में नाकामयाब हो जाने के कारण निचली बिरादरी के लोगों का अक्सर पुलिस द्वारा उत्पीड़न किया जाता है। द्वाबा की धरती पर ऐसे कई मामले निकलकर सामने आए हैं जिसमे सिर्फ निचली बिरादरी के लोगों का आर्थिक और शारीरिक रूप से शोषण किया गया है, कहीं ऐसा तो नहीं शोषणकर्ताओं के पीछे किसी की चाल हो यह लोगों का सोचना है। द्वाबा में तेजी से दलित उत्पीडन बढ़ रहा है उत्तर प्रदेश के कौशांबी पुलिस ने मामूली विवाद में दलित युवक को थर्ड डिग्री का इस्तेमाल कर 151 का चालान किया है। मामला चरवा थाना के बरियावा चौकी का है, जंहा दलित युवक सुरेश का आरोप है कि उसको बरियावा चौकी इंचार्ज अरुण कुमार मौर्य और चौकी के दो सिपाहियों ने सुरेश को अर्धनग्न कर के जमकर पीटा है। सुरेश ने मामले की शिकायत जिले के पुलिस अधीक्षक से की है। चरवा थाना के बरियावा चौकी

के अंतर्गत रहने वाला सुरेश पेशे से मजदूर है। सुरेश का एक पड़ोसी है जो बरियावा चौकी में चौकीदार है। सुरेश का आरोप है कि चौकीदार रोजाना हमारे घर के बाहर कूड़ा फेकता है, जिससे कभी कभी विवाद होता है। सुरेश का कहना है कि बीते 18 जुलाई को वह मजदूरी करने चला गया था। उसी दिन पुलिस उसके घर गयी और मेरी पत्नी से मेरे बारे में पूछा और बोला कि जब वह घर आय तो उसे चौकी भेज देना। सुरेश ने बताया कि मजदूरी कर जब वह पहुंचा तो पत्नी के कहने पर पत्नी और बच्चे के साथ चौकी गया, जहां चौकी इंचार्ज ने कहा बैठ जाओ। इसके बाद शुरू की पिटाई। सुरेश के मुताबिक थोड़ी देर में उसका पड़ोसी जगतपाल जो इसी चौकी में चौकीदार है, चौकी इंचार्ज से कुछ बात कर के चौकी से चला गया। चौकी इंचार्ज ने सुरेश को बुलाया और विवाद का कारण पूछा। सुरेश ने चौकी इंचार्ज को बताया कि जगतपाल मेरे घर के बाहर अक्सर कूड़ा और नाले का पानी बहता है, लेकिन फिर भी हम कुछ नही बोलते। इतना सुनते ही चौकी इंजार्ज अरुण ने गाली देते हुए मारपीट की और सिपाहियों से कहा इसको बन्द कर दो। सिपाहियों ने हमे कमरे में बंद कर के दोनों हाथ बांध कर बहुत मारा। सुरेश का आरोप है कि उसकी पत्नी से भी सिपाहियों ने मारपीट की। अब देखना है कि अवैध वसूली बाज ब्रिटिश मानसिकता का गुलाम चौकी इंचार्ज के कारनामे को संज्ञान लेकर उच्चाधिकारी उसे दंडित करेंगे या फिर अवैध वसूली बाज चौकी इंचार्ज के कारनामे पर पर्दा डालने का कार्य अधिकारी करेंगे क्योंकि अवैध वसूली बाज चौकी इंचार्ज डिप्टी सीएम का खासमखास बताया जाता है।

समस्तीपुर हलचल

शौचालय की टंकी में दम घुटने से तीन मजदूर की मौत, क्षेत्र में मचा कोहराम

समस्तीपुर। जिले के मोहीउद्दीननगर थाना हल्का के हसनपुर गांव में शौचालय टंकी के सैंटरिंग खोलने के दौरान तीन मजदूरों की मौत हो गई है। इस घटना के बाद से इलाके में हलचल मच गई। मिली जानकारी के अनुसार हसनपुर गांव में तीन मजदूर निमार्णाधीन शौचालय टंकी का सेंट्रिंग खोलकर अंदर घुसा। टंकी के अंदर घुसते ही दम घुटने लगा तीनों बाहर निकलने का काफी प्रयास किया परन्तु असफल रहा और बेहोश होकर वहीं गिर पड़े। तीनों को बाहर निकलने में देर हुआ तो अन्य

मजदूर ने देखा कि तीनों बेहोश पड़ा हुआ है। काफी मशक्कत के बाद तीनों को बाहर निकाला गया और ईलाज के लिए ले जाया जा रहा था कि रास्ते में एक एक करके तीनों मजदूर की मौत हो गई। संतुष्टि के लिए मोहीउद्दीननगर पीएचसी में में लाया गया परन्तु वहां के डॉक्टर ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान कुरसहा गांव निवासी नंदन राय का 21 वर्षीय पुत्र सोनू कुमार, सोहनीपुर गांव निवासी जलेश राय एवं तेतारपुर गांव निवासी सुबोध कुमार के तौर पर हुई है। इस घटना के बाद से मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया है, मामले की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी जिसके बाद पुलिस ने घटना स्थल पर अपने टीम के साथ पहुंचकर मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। वहीं इस मामले को लेकर माले के सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने जिला प्रशासन से सभी मृतकों के आश्रितों को 4, 4 लाख रुपए देने की मांग किया है।

सुशासन की सरकार बाढ़ प्रभावित लोगों की कब लेगी सुधः पुष्पम प्रिया चौधरी

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। समस्तीपुर में बूढ़ी गंडक नदी के बाढ़ प्रभावित लोग बदतर हालात में जीने को विवश हैं। सरकार इन विस्थापितों को लेकर असंवेदनशील है। रहने, पानी पीने और शौचालय की समस्यायों के बीच जूझ रहे हैं लोगों के बीच से सरकार लापता दिख रही है। यह बात प्लुरल्स पार्टी

की राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पम प्रिया चौधरी समस्तीपुर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के बाद कह रही थी। समस्तीपुर में मगरदही घाट पर रोड़ पर जिंदगी जी रहे लोगों ने रो रो कर अपना दुखड़ा बताया। बाढ़ से विस्थापित लोगों ने बताया कि हर साल उनका आसरा गंडक की चपेट में आ जाता है, ना उन्हें सरकार द्वारा राशन कार्ड की सुविधा मिली है ना ही प्रधानमंत्री आवास योजना का,विधवा पेंशन को मुद्दे पर भी लोगों ने भी पुष्पम प्रिया चौधरी को बताया। इसके बाद पुष्पम प्रिया चौधरी जी ने जल जमाव से डूबे बीएड कॉलेज का भी दौरा किया। शहर के बीचों बीच अवस्थित होने के बावजूद बिना किसी प्लान के बनाए गए इस कॉलेज को सरकार की नाकामी ने बंद होने को मजबूर कर दिया है। जलजमाव के मुद्दे पर कहा कि सरकार के नगर नियोजन की कोई नीति ही नहीं है क्योंकि नगरीय बसावट की कोई नीति बनाने ही नहीं आती है। इसके बाद पार्टी अध्यक्ष ने शहर के के ई इंटर स्कूल की डूबे हुए मैदान का निरीक्षण भी किया। विभूतिपुर के बैंती नदी का टूटे हुए बांध का भी निरीक्षण किया. ग्रामीण लोगों ने अपने बर्बाद हुए फसल के बारे में बताया. ग्रामीण स्थायी और पक्की बांध की मांग प्लुरल्स पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष से की। इस दौरे में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव श्री अनुपम सुमन, प्रेस सेक्रेटरी मुकेश कुमार, जिला अध्यक्ष सौरभ सुमन, उपाध्यक्ष शिवम, नगर अध्यक्ष आदित्य मौजूद थे।

सम्भल हलचल

अकीदत और सादगी से मनाया ईद उल अजहा का पर्व, अरमान उलहक ने दी ईद उल अजहा की मुबारकबाद

सम्भल। ईद उल अजहा का पर्व भारत सहित दुनिया के सभी मुल्कों में हर्षोल्लाष के साथ मनाया गया ईद उल अजहा का त्यौहार मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मजहब -ए-इस्लाम के मुताबिक तीन दिन अकीदत और सादगी से मनाया मुस्लिम समुदाय के लोगों ने शासन की गाइड लाइन का पूर्ण रूप से पालन किया ईद उल अजहा की नमाज के बाद अपने मुल्क भारत की तरक़्क़ी उन्नति खुशहाली और कोरोना से बचाव की दुआ माँगी ज्यादातर लोग कुर्बानी के बाद एक दूसरे के घर मुबारकबाद देने नही गये शोसल मीडिया फेसबुक ट्वीटर इंस्टाग्राम व्हाटसअप मेसेंजर पर ही ईद उल अजहा की मुबारकबाद दी वहीं जनपद सम्भल की नगर पँचायत नरौली में समाजसेवी पत्रकार मौहम्मद अरमान उल हक ने लोगों को ईद की मुबारक बाद दी वहीं ईद उल अजहा का पर्व शांतिपूर्ण रूप से सम्पन होने पर जिलाधिकारी सम्भल संजीव रंजन के साथ मौहम्मद अरमान उलहक ने पुलिस प्रशासन का शुक्रीया अदा किया।

रामपुर हलचल

नगरपालिका परिषद द्वारा नगर के अंदर विशेष तरीके से सफाई वयवस्था को चुस्त दुरूस्त रखा गया

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा रामपुर। लगातार तीन दिन बकरा ईद के मौके पर नगरपालिका परिषद द्वारा नगर के अन्दर विशेष तरीके से सफाई वयवस्था को चुस्त दुरूस्त रखा गया अधिशासी अधिकारी राजेश सिंह राणा व पालिकाध्यक्ष पति मकसूद लाला जी व नगर पालिका की टीम एवं सफाई कर्मियों द्वारा नगर का सम्पूर्ण तरीके से भ्रमण कर अपनी जिम्मेदारियों को निभाया गया कहीं पर भी गंदगी आदि से सम्बंधित कोई शिकायत प्राप्त न हो सकी नगरवासियों द्वारा सफाई वयवस्था आदि को लेकर सराहना की गई उधर कोतवाल प्रवेज कुमार मय अपने फोर्स बल के साथ नगर के अन्दर भ्रमण करते रहे कहीं पर भी किसी भी प्रकार की शान्ति व्यवस्था में कोई बाधा उत्पन्न न हो सकी शान्ति व्यवस्था रखे जाने के साथ साथ सौहार्द वातावरण के चलते ईदुल अजहा का पर्व मनाया गया इस मौके पर कोतवाल प्रवेज कुमार एस. आई. मनोज कुमार एस. आई नरेश सिंह, राहुल, कुलवन्त, कुलवीर, अधिशासी अधिकारी राजेश सिंह राणा,पालिकाध्यक्ष पति मकसूद लाला, धनीराम सैनी, राजकुमार शुक्ला, जियाउर्रहमान, डालचन्द, अ० रऊफ, एहतराम अली, सल्मान अक्खू, फैजान फैज, आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

मधुबनी हलचल

स्थानांतरण के लिए बेबपोर्टल अविलंब लांच होः मशकूर आलम

मधुबनी। ज़िला इकाई मधुबनी के जिला अध्यक्ष मश्कूर आलम ने कहा के बहुत बड़ी लम्बी लड़ाई के बाद नियोजित शिक्षकों को स्थानांतरण का लाभ मिला वह भी इपीएफ चाइनीज कटौती एवं चाइनीज वेतनमान जैसा चाइनीज स्थानांतरण। जबकि वन टाइम एक्छिक स्थानांतरण का लाभ नियोजित शिक्षकों को मिलना चाहिए था, शिक्षक अपनी इच्छा अनुसार स्थानांतरण ले पाते। हम शिक्षक संगठित नहीं रहें इस के लिए सरकार ने महिला शिक्षकों को एक्छिक स्थानांतरण का लाभ दिया और पुरुष शिक्षकों को मैच्युवल स्थानांतरण का लाभ। हम सरकार से मांग करते हैं कि महिला शिक्षकों की भांति पुरुष शिक्षकों को भी एक्छिक स्थानांतरण का लाभ दे सरकार। पुरुष शिक्षक भी अपने जिला छोड अन्य जिलों में पद स्थापित है उन्हें आने जाने में कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। शिक्षा विभाग बिहार सरकार के अधिसूचना संख्या-11/नियमावली-01-01/2020-875, दिनांक-07.06.2021के कंडिका-5 (क) में कहा गया है कि अंतर नियोजन (अंतर जिला सहित) स्थानांतरण हेतु प्रशासी विभाग द्वारा एक वेबपोर्टल तैयार किया जायेगा, कंडिका 5 के (ख) में कहा गया है कि प्रशासी विभाग द्वारा निर्धारित समय सीमा में वेबपोर्टल पर संबंधित जिला शिक्षा पदाधिकारी के द्वारा जिलावार, नियोजन इकाईवार, विषयवार और कोटिवार रिक्तियों की सूचना अपलोड किया जायेगा, इस अधिसूचना प्रपत्र के प्रकाशित हुए भी एक महीने से उपर हो रहा है लेकिन अभी तक प्रशासी विभाग द्वारा वेबपोर्टल लान्च नहीं किया गया है जो खेद का विषय है। हम एक बार फिर शिक्षा विभाग बिहार सरकार से मांग करते हैं कि नियोजित शिक्षकों के स्थानांतरण हेतु अविलंब वेबपोर्टल लान्च हो।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सर्जरी से नहीं, इन 3 असरदार घरेलू तरीकों से दें नाक को परफेक्ट शेप

आजकल हर लड़की खूबसूरत दिखने के लिए कई तरीके इस्तेमाल करती है। कुछ लड़कियां कुछ लड़कियों की सबसे बड़ी परेशानी उनकी मोटी नाक होती है, जोकि चेहरे को चौड़ा दिखाती है। कुछ लड़किया तो नाक को पतली दिखाने के लिए मेकअप या सर्जरी का सहारा लेती है, जिससे कई बार चेहरे की खूबसूरत खराब हो जाती है। इसकी बजाए आप कुछ घरेलू अपना कर अपनी मोटी नाक की परेशानी को बिना किसी साइढ इफेक्ट या नुकसान के पतला दिखा सकती है। आज हम आपको ऐसे असरदार घरेलू तरीके बताएंगे, जोकि आपकी नाक को बिना किसी नुकसान के पतला दिखा देंगे। तो आइए जानते है नाक को परफैक्ट शेप देने के लिए कुछ घरेलू उपाय।

नाक को परफैक्ट बनाने के घरेलू तरीके

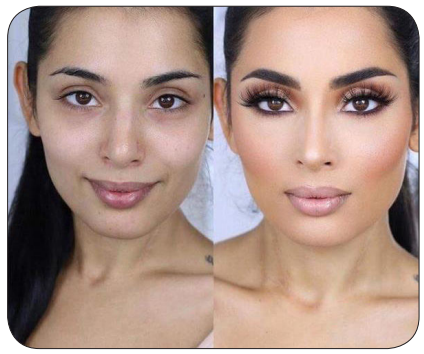

1. अदरक पाउडर

अदरक की मदद से आप नाक के पास मौजूद एक्सट्रा फैट कम करके इसे पतली दिखा सकती हैं। इसके लिए आप अदरक का पाउडर बनाकर उसे पानी में मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इसके बाद इसे नाक कर लगाकर 15 मिनट बाद इसे धो लें। रोजाना इसे लगाने से कुछ दिनों में ही आपकी नाक को परेफैक्ट शेप मिल जाएगी।

2. एप्पल साइडर विनेगर

1 चम्मच एप्पल साइडर विनेगर, टूथपेस्ट और अदरक पाउडर को मिक्स करके पेस्ट बनाए। इसे नाक पर 15 मिनट तक लगाने के बाद ठंडे पानी से साफ करें। नियमित रूप से इसका इस्तेमाल करने से आपकी नाक का एक्सट्रा फैट निकल जाएगा।

3. एसेंशियल ऑयल्स

सरसों, पेपरमिंट, टी-ट्री या चैदार जैसे एसेंशियल आयल्स को कॉटन में डिप करके नाक पर लगाएं। इसके बाद इसे हल्के हाथ से रगड़ने के बाद 5-10 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद इसे साफ कर लें। इन ऑयल्स का इस्तेमाल करने से आपकी नाक कुय समय में ही सुडौल दिखने लगेगी।

इस तरह बनाएं हल्दी फेस पैक और पाएं इन समस्याओं से छुटकारा

हल्दी एक ऐसी चीज है जो हर रसोई घर में पाई जाती है। इसका इस्तेमाल खाने का रंग और स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसमें मौजूद एंटीसेप्टिक गुण किसी औषधी से कम नहीं हैं। हल्दी हमारे स्वास्थ्य और स्किन दोनों के लिए बहुत अधिक ही फायदेमंद है। इसको खाने या फेस पेक के रूप में प्रयोग करने से साफ, बेदाग और सुंदर त्वचा पाई जा सकती है। इसेक अलावा भी हल्दी के फेस पैक लागने से कई फायदे होते हैं। आज हम आपको उन्हीं फायदों के बारे में बताएंगे।

1. झुर्रियों से राहत

बढ़ती उम्र के साथ चेहरे पर झुर्रियों की समस्या होना आम बात है। मगर कई बार गलत खान पान, गलत आदतों के कारण भी समय से पहले ही चेहरे पर झुर्रियों पड़ जाती हैं। इन से राहत पाने के लिए हल्दी में शहद डालकर फेस पैक बनाएं। 3 चम्मच हल्दी में 1 चम्मच शहद डालकर मिक्स करें। अगर आप चाहें तो इस में 1 चम्मच निंबू का रस भी मिला सकती हैं। अब इसको चेहरे और गर्दन पर लगाएं। 15- 20 मिनट के बाद इसको गुनगुने पानी से धो लें।

2. दाग - धब्बों से छुटकारा

हल्दी लगाने से चेहरे पर पड़े दाग- धब्बे आसानी से दूर हो जाते हैं। इसके साथ ही लगातर हल्दी से बना फेस पैक लगाने से चेहरे पर निखार भी आता है। चेहरे को बेदाग बनाने के लिए 1 चम्मच हल्दी में पानी डालकर मिक्स करें। अब इसको आधे घंटे तक चेहरे पर लगाएं। हफ्ते में दो बार ऐसा करने से दाग- धब्बों के निशानों से आसानी से राहत मिलेगी।

3. मुंहासे

मुंहासे की समस्या दूर करने के लिए चंदन, हल्दी और दूध का फेस पैक बनाएं। अब इसको चेहरे, गर्दन पर लगाएं। 15- 20 मिनट के बाद चेहरे ठंडे पाने से धो लें। 2-3 दिन तक लगातार इस लेप का इस्तेमाल करने से मुंहासे जड़ से दूर होंगे और कोई निशान भी नहीं रहेगा।

4. कटने और जलने के निशान मिटाना

हल्दी लगाने से कुछ ही दिनों में कटने और जलने के निशानों को दूर किया जा सकता है। इसके लिए हल्दी में पानी डालकर एक पेस्ट बानएं। अब इस पेस्ट को जलने और कटने वाली जगह पर लगाएं। कुछ दिन ऐसा करने से आपको फर्क दिखाई देने लगेगा।

5. गोरी रंगत

निखरी त्वचा पाने के लिए हल्दी, ओट्स, दूध और गुलाब जल डालकर एक पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को चेहरे, गर्दन और हाथों- पैरों लगाएं। 20 मिनट के बाद इसको ठंड़े पानी से धो ले। हफ्ते में 3 बार इस पेस्ट को लगाने से आपकी त्वचा में निखार आएगा।

6. स्ट्रेच मार्क्स

स्ट्रेच मार्क्स के निशानों को दूर करने के लिए हल्दी औषधी की तरह काम करती है। इन निशानों से छुटकारा पाने के लिए हल्दी, केसर में नींबू का रस डालकर पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को स्ट्रेच मार्क्स वाली जगह पर 20 मिनट लगाने के बाद गुनगुने पानी से धो लें। कुछ दिनों तक लगातार ऐसा करने से स्ट्रेच मार्क्स के निशान दूर हो जाएंगे।

7. फट्टी एड़ियों से राहत

सर्दियों मं एड़ियों का फट्टना एक आम समस्या है। इससे राहत पाने के लिए हल्दी और नारियल का पेस्ट बनाएं। 3 चम्मच हल्दी में 4 चम्मच नारियल तेल मिलाकर मिक्स करें। अब इसको एड़ियों पर 15 मिनट लगो के बाद धो लें। रोजाना इस पेस्ट को लगाने से एड़िया मुलायम होने लगेंगी।

8. टैनिंग

धूप की वजह से त्वचा पर टैनिंग की समस्या हो जाती है।
इससे दूर करने के लिए बेसन में हल्दी और नींबू का रस मिलाकर लगाएं। कुछ दिन ऐसा करने से चेहरे के कालेपन को दूर किया जा सकता है।

तुलसी के बीज से दूर होगी ये 8 बड़ी-बड़ी समस्याएं

तुलसी का पौधा घर की नाकारात्मक ऊर्जा को सकारात्मक बनाता है। कुछ लोग तुलसी का इस्तेमाल हैल्थ प्रॉब्लम को दूर करने के लिए भी करते है लेकिन आज हम आपको तुलसी के बीजों से होने वाले फायदों के बारे में बताने जा रहें है। आयुर्वेदिक, प्रोटीन, फाइबर, विटामिन अ, ड, काबोर्हायड्रेट, ओमेगा-3 फैटी एसिड और खनिज तत्वों से भरपूर यह बीज ठंडी तासीर के होते है। इसका सेवन यौन रोग, टेंशन, डिप्रेशन, दिमागी थकान और माईग्रेन जैसी बीमारियों को दूर करता है। तो आइए जानते है तुलसी के बीजों का सेवन करने से आपको क्या-क्या फायदे हो सकते है।

1. सर्दी-खांसी

लौंग, तुलसी के बीज को 1 गिलास पानी में उबाल लें। जब यह आधा रह जाए तो इसमें सेंधा नमक डालकर सेवन करें। दिन में दो बार इसका सेवन सर्दी, खांसी और जुकाम से राहत दिलाता है।

2. यौन रोग

तुलसी के बीज पुरूषों में होने वाली शारीरिक कमजोरी को दूर करने में मदद करते है। इसका नियमित रूप से सेवन यौन रोग और नपुंसकता की समस्या तक दूर हो जाती है।

3. सिरदर्द

तेज सिरदर्द होने पर तुलसी के बीज और कपूर को पीसकर मालिश करें। इससे आपका सिरदर्द तुरंत गायब हो जाएगा। इसके अलावा इसके बीजों का सेवन टेंशन, डिप्रेशन, और माईग्रेन को दूर करता है।

4. गर्भधारण करना

मासिक आने पर 5 ग्राम तुलसी बीज को सुबह शाम पानी के साथ लें। जब तक मासिक चले न जाएं इसका सेवन करें। पीरियड्स जाने के बाद 3 दिन तक 10 ग्राम माजूफल चूर्ण को पानी के साथ लें। इससे आपकी यह समस्या दूर हो जाएगी।

5. पाचन तंत्र

फाइबर और पाचक एंजाइमों से भरपूर इन बीजों का सेवन पाचन तंत्र को मजबूत करता है। सुबह इसका सेवन भूख को कंट्रोल करता है, जिससे आपका वजन कंट्रोल में रहता है।

6. यौनि में इंफेक्शन

तुलसी के बीज और शहद को पानी में मिलाकर दिन में 2 बार पीएं। इससे ब्लैडर, किडनी और योनि में इंफैक्शन की समस्या दूर हो जाएगी।

7. सोराइसिस

एक्जिमा सोराइसिस को दूर करने के लिए रोजाना तुलसी के बीज को पीसकर नारियल तेल में मिक्स करके लगाएं। कुछ समय में ही आपकी यह परेशानी दूर हो जाएगी।

8. पेट की प्रॉब्लम

रात को सोने से पहले 1 गिलास दूध में इन बीजों को मिलाकर पीएं। इससे कब्ज, एसिडिटी, पेट में दर्द, गैस और एसिड जैसी समस्याएं दूर होंगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

'ब्लर' में डबल रोल में नजर आएंगी तापसी पन्नू

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू ने हाल ही में अपने प्रोडक्शन हाउस 'आउटसाइडर्स फिल्म्स' लॉन्च किया है। अपने प्रोडक्शन हाउस के तहत तापसी पहली फिल्म 'ब्लर' बनाने जा रही है। बीते दिनों इस फिल्म से तापसी पन्नू का फर्स्ट लुक सामने आया था। इस फिल्म की शूटिंग इन दिनों उत्तराखंड में चल रही है। अब खबर आई है कि इस फिल्म में तापसी पन्नू डबल रोल निभाने जा रही है। फिल्म की कहानी जुड़वां बहनों पर बेस्ड एक सस्पेंस थ्रिलर फिल्म होगी। बताया जा रहा है कि ब्लर एक स्पेनिश फिल्म 'जुलियाज आई' का हिन्दी रीमेक है। फिल्म एक ऐसी महिला की कहानी है जो अपनी जुड़वा बहन की रहस्मयी मौत की गुत्थी सुलझा रही होती है और धीरे धीरे एक जेनेटिक प्रॉलब्म के चलते उसकी आंखों की रोशनी जाने लगती है। इस फिल्म का निर्देशन अजय बहल कर रहे हैं। फिल्म में 'मर्द को दर्द नहीं होता' के एक्टर गुलशन देवैया भी नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि वह तापसी के पति के किरदार में नजर आएंगे। 'ब्लरर' की शूटिंग आंशिक रूप से नैनीताल की हेरिटेज इमारतों में माल रोड और रूसी बाइपास में की जाएगी। इसके अलावा भीमताल, भवाली सत्तल और मुक्तेश्वर जैसी जगहों पर कुछ सीन्स को कवर किया जाएगा।

अपने आप को बॉलीवुड की दुल्हन मानने लगी हैं कृति खरबंदा

यूं तो शादी में होने वाली गड़बड़ियों पर कई फिल्में बनी है। कभी लड़के की तरफ से गड़बड़ होती है तो कभी लड़की की तरफ से। लेकिन एक ही लड़की से दोबारा शादी करने वाला मौका ऐसा फिल्मों में जरा कम ही दिखता है और शायद इसीलिए इस फिल्म का नाम 14 फेरे रखा गया है। फिल्म '14 फेरे' की प्रेस कांफ्रेंस के दौरान वेबदुनिया से बात करते हुए कृति खरबंदा कहती हैं, मैं तो अपने आप को बॉलीवुड की दुल्हन मानने लग गई हूं। मैंने एक या दो बार नहीं 8 बार दुल्हन का रोल निभाया हुआ है। दुल्हन के कपड़े, दुल्हन की ज्वेलरी पहनी हैं। मुझे लगता है कि मैं जब भी फिल्म के लिए शादी का रोल निभाती हूं या जिस फिल्म में मेरी शादी होती है, वह बड़ी लकी हो जाती है। उन्होंने कहा, मेरे लिए फिल्म 14 फेरे सिर्फ शादी के बारे में नहीं है या सिर्फ शादी हो जाने के लिए नहीं बनाई है। यह एक लव स्टोरी है। प्रेम कहानी है संजू और अदिति की। यह एक सफर है, संजू और अदिति की प्रेम कहानी को शुरूआत से लेकर शादी तक के अंजाम तक पहुंचाने का। यह आज के समय में बहुत जरूरी है। यह बहुत ही प्रासंगिक लव स्टोरी कह सकते हैं। इनके किरदार कि अगर मैं बात करूं तो आप चाहोगे कि ऐसे किरदार आपके आसपास रहते हो। आप चाहोगे कि आपके रिश्ते में ऐसी मासूमियत हो दिन भर आप लड़े- कुछ भी बात हो जाए। लेकिन अगले दिन वो कहते हैं ना रात गई बात गई वाली बात हो जाए। जितनी भी परेशानी है, जितनी भी लड़ाई हो जाए, लेकिन हम साथ में हमेशा रहेंगे वैसे तरीके की लड़की बनी हूं।

'बाहुबली' स्टार प्रभास ने 'टॉप टेन मोस्ट हैंडसम एशियन मेन' की लिस्ट में किया टॉप

'बाहुबली' की रिलीज के बाद से ही साउथ सुपरस्टार प्रभास की फैन फॉलोइंग में जबरदस्त इजाफा हुआ है। इस फिल्म के बाद प्रभास पैन इंडिया स्टार बनकर उभरे हैं। वही अपने फैंस की बदौलत प्रभास ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। प्रभास ने सबसे हैंडसम एशियाई पुरुषों की लिस्ट में टॉप पर अपनी जगह बना ली है। 'टॉप टेन मोस्ट हैंडसम एशियन मेन' की हाल ही में जारी की गई सूची में, प्रभास ने पृथ्वी पर सबसे बड़े महाद्वीप में सबसे हैंडसम व्यक्ति के रूप में पहले स्थान के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया है, जो दुनिया के कुछ सबसे अधिक आबादी वाले देश के साथ दुनिया भर में फैले उनके फैंडम और प्रतिभा को साबित करता है। प्रभास ने अपनी मेगाहिट फिल्म बाहुबली: द बिगिनिंग (2015) और इसके कन्क्लूजन बाहुबली: द कन्क्लूजन (2017) से दुनिया भर में प्रशंसकों को आकर्षित कर लिया है। पैन-इंडिया फिल्मों का चलन शुरू करने वाले सुपरस्टार के पास अनुकरणीय भारतीय सुंदरता है, जो एक बहुत ही डाउन टू अर्थ व्यक्तित्व के साथ-साथ एक मैचो चार्म है जो उन्हें खासकर फीमेल प्रशंसकों के बीच बेहद डिसाइरेबल बनाता है।

A.B.V.M. AGRAWAL JATIYA KOSH'S
G.D. JALAN COLLEGE OF SCIENCE & COMMERCE
A sister concern of S. J. PODDAR ACADEMY (ICSE)
Estd. : 2011
Admissions Open for Academic Year 2021-2022
F.Y.J.C. / S.Y.J.C. (Science & Commerce)
B.M.S. / B.A.F. / B.Sc. (I.T.)
B.Com. / B.Sc. (CBZ)
COLLEGE CODE : 527
Upper Govind Nagar, Malad (East), Mumbai – 400097.
Phone No.: 022- 40476030
www.gdjalan.edu.in